

संख्या-231 /VI/2004-58 पर्यट/2004 टी0सी0

प्रेषक,

ए0के0 घोष,
अपर सचिव,
उत्तरांचल शासन।

संदा में,

निदेशक, पर्यटन,
उत्तरांचल, देहरादून।

पर्यटन अनुभाग

देहरादून दिनांक 17 मार्च, 2005

विषय:- वित्तीय वर्ष 2004-05 के अन्तर्गत पर्यटन विभाग के भूमि अध्याप्ति/क़य मद में प्राविधानित सम्पूर्ण अवशेष धनराशि की स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या-748 /VI/2004-58 पर्यट/2004, दिनांक 29 अक्टूबर, 2004 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय उपरोक्त शासनादेश के प्रथम प्रस्तर में स्वीकृत धनराशि को घटाते हुये के स्थान पर प्राविधानित धनराशि रु0 10.00 लाख (दस लाख मात्र) में से सम्पूर्ण अवशेष पढे जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- उपरोक्त शासनादेश का इस सीमा तक संशोधित समझा जाय एवं शासनादेश की अन्य शर्तें यथावत् रहेंगी।

कृपया उपरोक्तानुसार अग्रेस्तर कार्यवाही सुनिश्चित करने का कष्ट करें।

भवदीय

(ए0के0 घोष)
अपर सचिव

संख्या- /VI/2004-58 पर्यट/2004 टी0सी0 तदुद्दिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं अवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

- 1- निहासे/आकार, लेखा एवं इकदारी, उत्तरांचल, नाजरा, देहरादून।
- 2- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 3- निजी सचिव मा0 मुख्यमन्त्री जी, उत्तरांचल शासन।
- 4- श्री एल0एम0पन्त, अपर सचिव वित्त, उत्तरांचल शासन।
- 5- निदेशक, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर।
- 6- वित्त अनुभाग-3, उत्तरांचल शासन।
- 7- नियोजन विभाग।
- 8- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

11/3/05
(ए0के0 घोष)
अपर सचिव।